वित्तीय स्वीकृति / आयोजनेत्तर संख्या 7 4 / xvii(1)-3/07-07(55)/2006

प्रेषक

सुबर्द्धन, अपर सचिव, उत्तरखण्ड शासन।

सेवा में

सचिव, अल्पसंख्यक आयोग उत्तराखण्ड देहरादून। समाज कल्याण अनुभाग-3

देहरादून दिनांक 🛮 🕹 🕹 मार्घ, 2007

विषयः चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अल्पसंख्यक आयोग से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष की वचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनशशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय

उपर्युक्त विषयक पर शासनादेश संख्या: 1051/XVII(1)-3/ 2006- 07(55) / 2006 दिनाक 23 नवंबर, 2006 के कम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में समाज कल्याण विभागानार्गत गाँठेत उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग के संचालन व्यथ हेतु रूपये 50,000/- (रूपये पद्मास हजार मात्र) की धनराशि निम्निलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं--

- 1- आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उन्ना धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनताशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
- 2- उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर वाय करने से पूर्व विस्तीय हस्त पुरितका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
- उन्त धनराशि का व्यय नितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुगन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय अन्य नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। व्यय उन्हीं ५ तें में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है।
- 4- अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हरत पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनर है। की वित्तीय एवं गीतिक प्रगति विवरण तथा धनराणि का उपयोगिता का प्रमाण पत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।
- स्वीकृत धनिसंश से अधिक धनसंशि का व्यय कदापि न किया जाए।

100

- 7- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हरत पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं भितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय—समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- 8- उक्त धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाए।
- 9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-07 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-15 के 'आयोजनेत्तर पक्ष' के लंखाशीर्षक 2250-अन्य सामाजिक सेवाए-00-800-अन्य व्यय-04-अल्पसंख्यक आयोग का अधिष्ठान-00-के कॉलम-5 के सुसंगत मानक मदों के नामे उाला जाएगा तथा संसम्न प्रारूप बीठएम0-15 के पुनर्विनियोग कॉलम-1 की बचती से वहन किया आयेगा।
- 10— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या:1684/xxvii(3)/2007 दिनाळ 26 फरवरी, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय

(सुदर्दन) अपर सचित्र

संख्या न ५ (1)/xvii(1)-3/07-07(55)/2006 तद्दिनांक प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

निजी स्तियं, मां० मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।

2- निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तरसङ्ख्ड शासन।

- 3- निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन।
- 4- महालेखाकार, उत्तरायत, देहरादून।
- 5- मण्डलायुक्त, गढवाल उत्तराखण्ड।
- 6- जिलाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
- 7— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाए, उत्तराखण्ड देहरादून।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
- 9- विता (व्यव नियंत्रत) अनुमाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- बजद राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल, देहरादून।
- 12- राष्ट्रीय गूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड समिवालय परिसर, देहरादून।

13- आदेश पुरितका।

(धीरेन्द्र सिंहें दताल) उप सचिव

नंपन्यक अधिकारी- प्रमुख सचित् समाज कट्याण, प्रशाकीक क्रिका- सम्बज्ज कट्याण उत्तरसम्बज्ज भारतन्।

SIMPLEMENTS

विद्याः — 15 विद्याः — 158)

अन्त विद् राज्य विकास प्रमान September 1989 計中は

चात्रशायम्बः देशसम्ब महालेखन्यान

THE PERSON NAMED IN

उन्हों ५ त में किया जायेगा, जिसके लिए स्टीकृत किया जा रहा है।

अपन समित समाज जल्याण राजसावण्ड ग्रासम

| THE PART OF THE PARTY OF THE PA | २८५०-अन्य सीमाधिका संबाधः १०-अल्पसस्यक् आयोग का अधिकान १०-आन्धः भद्धे १०-आन्धः भद्धे | CHAPTER TO THE PARTY. | the second residence of the second |
|--|--|-----------------------|---|
| S 1000 - 00 100 100 | 2.0 | R | MCMS of |
| of the same | 8 5 | .00 | क्ष्मित्रक व्यव |
| 080 | 8 8 | 2 | ्वन्द्रहो। धन्द्रहो। |
| 90 | 2. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 1 | 12 | Statistics former specific supposition form using § |
| .300 | 350 | 60 | हात्या 5 की कुत स्राच्या 5 की कुत |
| 200 | 25 | 07 | विभावन प्रवास |
| | प्टर जारिका का उनुस्तान पान, वितीय प्रष २००५ जा है। यह व आस्ट्रिंग प्रन्तामा २०० नण्ड जप ता पूर्वी है। मिलांग हैं के आसीत रण बाहे । रूपमा २०० ताल जम होने को स्थादन हैं। दे जन्म वा उस पह । असीत है। अभीत ज्ञाद स्थादन किया जात है। अभीत वे नियुक्त वह स्थादन जादि की प्रकारित साम्ये पर जिल्लान भीतन जादि की प्रकारत हैंचु विलीम वर्ष के शब पान जादि की प्रकारत हैंचु विलीम वर्ष के शब | 97 | क्षण्डित |

पानकोत् हाला १ एए)

गिन्नीय वर्ष 2008-अर ध्रशंसनिक विसाग-संगाज कट्यांम, अनुदानं संख्या-15.

THE PERSON IN WINDS OF THE PERSON IN THE PER

तिसिपिः निमातिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रिषेत-आदेश प्राटेका। निदेशकः काषागार एवं वित्तं संबाएं जलाराकण्ड, देहरादून। यरिष्ट कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड। सचिव अल्यसंख्यक आयोग.. उत्तरख्यक देहर ून निदशक समाज कल्याण जलाराखण्ड देहरादन।

(1)xvii(1)-03/2007-07(55)/2008, तद्दिनांक

उप स्थित समाज शब्दाण जतनालण्ड शासगा

(धीरेन्द्र सिंह दताल)